Edit with WPS Office

ONLINE STUDY MATERIAL BASED ON NCERT

Class - XII , Subject - MUSIC by P.SARKAR

संगीत पारिजात ग्रंथ की सम्पूर्ण अध्ययन ~ Part - 2

- स्वर प्रकरण के अन्तर्गत अहोबल ने बताया है कि ह्दय स्थित अनाहत चक्र में वायु और अग्नि के संयोग से आहत नाद की उत्पत्ति होती है। आगे उन्होंने बताया है कि नाद दो प्रकार के होते हैं आहत नाद और अनाहत नाद। स्वर और श्रुति में सर्प और उसकी कुण्डली सा भेंद है। परम्परा का पालन करते हुए श्रुति की संख्या और उनके नाम बताया। उसने बाईस श्रुतियों को पांच भेदों में बाटा- दीप्ता, आयता, करूणा, मृदु और मध्या। सा- म को ब्राह्मण , रे- ध को क्षत्रिय, और ग- नि वैश्य कहा। आगे उन्होंने स्वरों की जन्म भूमि, उनके रंग और रस बताया। ग्राम प्रकरण के अन्तर्गत उसने षडज, मध्यम और गंधार इन तीनों ग्रामों के स्वरूप का वर्णन किया है।